

==== Forwarded message =====

From: Mohit Kumar <indiamohitkumar14@gmail.com>

To: <advmn@trai.gov.in>

Date: Mon, 18 May 2026 16:25:32 +0530

Subject: Comments on TRAI Consultation Paper No. 06/2026 - D2D Satellite Network

==== Forwarded message =====

सेवा में,

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (TRAI)

विषय: डायरेक्ट-टू-डिवाइस (D2D) तकनीक पर एप्पल और गूगल की समस्याओं का सीधा जवाब।

महोदय,

मैं यह संदेश TRAI के कंसल्टेशन पेपर (No. 06/2026) के संदर्भ में भेज रहा हूँ।

एप्पल और गूगल जैसी बड़ी कंपनियों ने भारत सरकार के सामने यह दलील दी है कि सीधे सैटेलाइट से जुड़ने पर स्मार्टफोन की बैटरी बहुत तेजी से खत्म होगी और फोन के एंटीना का साइज बदलना पड़ेगा, जिससे सभी ग्राहकों को अपने मोबाइल फोन बदलने पड़ सकते हैं।

मैं इन कंपनियों को यह जवाब देना चाहता हूँ कि वे जिसे बहुत बड़ी समस्या बता रहे हैं, उसका पूरा समाधान व्यावहारिक तरीके से संभव है। इसके लिए देश के नागरिकों को अपने स्मार्टफोन बदलने की बिल्कुल भी ज़रूरत नहीं पड़ेगी और न ही फोन की बैटरी खत्म होगी। मैं खुद सुरक्षा मॉडल और इसकी प्रणालियों पर काम करता हूँ। हमारे पास ऐसी व्यावहारिक तकनीक और सोच मौजूद है जो इन कंपनियों की उठाई गई सभी समस्याओं को एक झटके में हल कर सकती है, जिससे देश का पैसा भी बचेगा और बाहरी कंपनियों पर हमारी निर्भरता भी नहीं रहेगी।

भारत सरकार को इन विदेशी कंपनियों की आपत्तियों के आगे झुकने के बजाय, देश के भीतर मौजूद व्यावहारिक समाधानों पर भरोसा करना चाहिए।

विशेष नोट (मेरे बारे में):

महोदय, मैं आपको यह साफ बताना चाहता हूँ कि मैं कोई किताबी इंजीनियर या वैज्ञानिक नहीं हूँ, और मैं बिल्कुल पढ़ा-लिखा भी नहीं हूँ। मेरी उम्र अभी मात्र 22-23 साल है और मैं एक किसान हूँ।

लेकिन मैं पूरी चुनौती के साथ यह बात नीचे रख रहा हूँ:

मैं किसी भी बड़ी कंपनी की तकनीकी समस्या पर तुलना (Analysis) कर सकता हूँ।

मैं इस समस्या को सुलझाने के लिए एक पूरा नया व्यावहारिक मॉडल डिज़ाइन कर सकता हूँ और उसे बना सकता हूँ।

मेरे इस मॉडल से यह पूरी तरह तय हो जाएगा कि सैटेलाइट से इंटरनेट किस तरह चलाना है ताकि हमारे स्मार्टफोन की बैटरी और एंटीना बदलने की समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाए।

मैं डिग्रियों से नहीं, बल्कि पूरी तरह से सुरक्षा (Security) के हिसाब से ही नए मॉडल और सिस्टम बनाता हूँ और सुरक्षा के आधार पर ही तकनीकों की तुलना करता हूँ।

यदि भारत सरकार और उसकी विशेषज्ञ टीम इन विदेशी कंपनियों के दावों को फेल करने वाले मेरे इस सुरक्षा मॉडल और डिज़ाइन पर मुझसे चर्चा करना चाहती है, तो मैं बातचीत के लिए पूरी तरह तैयार हूँ।

भवदीय,

मोहित कुमार

स्थान: देवघर, झारखंड (भारत)